बयगा भासा ले पढ़ेकर अर लिखेकर तरीका

(बैगा भाषा को लिखने और पढ़ने का तरीका)

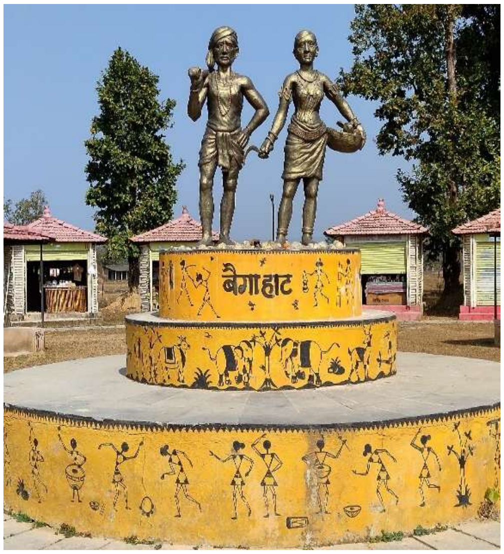

फाग कर मेहना, 2023

बयगा भासा पढ़ेकर लिखेकर तरीका

बैगा भाषा पढ़ने लिखने का तरीका

(Sample Baiga spelling guide)

तारीक 6 फाग कर मेहना, 2023

बैगा कर आरो

<u>तियार करइया</u>

बैगा कर आरो

<u>मदत करइया</u>

बैगा कर आरो

हइ पुसकत कर बारे म

बयगा जाति मध्य प्रदेश कर सबले पाछू जाति आय। हइ जाति डोंगर पाखा म रथय। डोंगर कटाई अर साहर बढ़ेकर कारन, बयगा जाति कर आदमी साहर पाखा रहे लागिन। रदा बयगा जाति मध्य प्रदेश कर मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, शहडोल, अनूपपुर म रथय। बयगा भासा अक बोली आय, ओखर लिखेकर तरीका नयको आय।

हइ पुसकत म हम कोसिस करेहेन कि बयगा जाति ले उँखर लिखेकर कर तरीका मिल जाय। हइ पुसकत म अकछर माला, पढ़ेकर अर लिखेकर नियम, किसा अर सबद कोस मिलथय। हम पेहली बार हइ पुसकत म भासा पढ़ेकर लिखेकर कोसिस करेहेन ताकि बयगा जाति अपन भासा ले पढ़ अर लिख सकय ताकि बयगा जाति भी दुसर जाति कर बराबर होय जाय। हइ पुसकत सफो बयगा जाति कर लाइक आय। आप लोगन कर सलाह कर इन्तेजार हय ताकि हइ पुसकत ले अच्छा बनाय सके।

प्रस्तावना

बैगा जनजाति मध्य प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति समूह है। ये जनजाति जंगल मे रहने वाले एक जनजाति है। लेकिन वनो की कटाई और उन्नति ने उन लोगो को शहरो के निकट आने के लिए मजबूर कर दिया है। बैगा जनजाति मध्य प्रदेश के मंडला, बालाघाट, ड़िन्डौरी, शहडोल और अनूपपुर जिले मे पाये जाते है। कुछ बैगा जानजाति छत्तीसगढ़ और झारखंड़ मे भी रहते है।

बैगा भाषा एक मौखिक बोली है जिसके लिखावट का तरीका अब तक नही है। इस पुस्तक के माध्यम से हमने प्रयास किया है कि बैगा जनजाति को उनकी भाषा को लिखने पढ़ने का नियम मिल जाये। इस पुस्तक मे बैगा अक्षर माला, पढ़ने और लिखने का नियम, कुछ कहानियाँ और शब्द कोश लाये है। हमारा यह शुरुआती प्रयास है कि बैगा जनजाति अपनी भाषा को सिर्फ बोलने वाले ही नही लेकिन पढ़े और लिखे भी। यह पुस्तक सभी बैगा जनजाति के लिए है। हम आपके सुझाव का स्वागत करते है ताकि इस पुस्तक को और बेहतर बना सके।

विषय- सूची

1. नक्सा -- 5
2. अकछर माला ------------------------------------ 6
3. आधा अकछर ------------------------------------ 10
4. बयगा अकछर पढ़ेहर लिखेहर कर नियम ----------------- 11
5. दिनकर नाव, मेहना कर नाव ------------------------ 14
6. किसा -- 15
7. सबद कोस -- 18

1. नक्सा

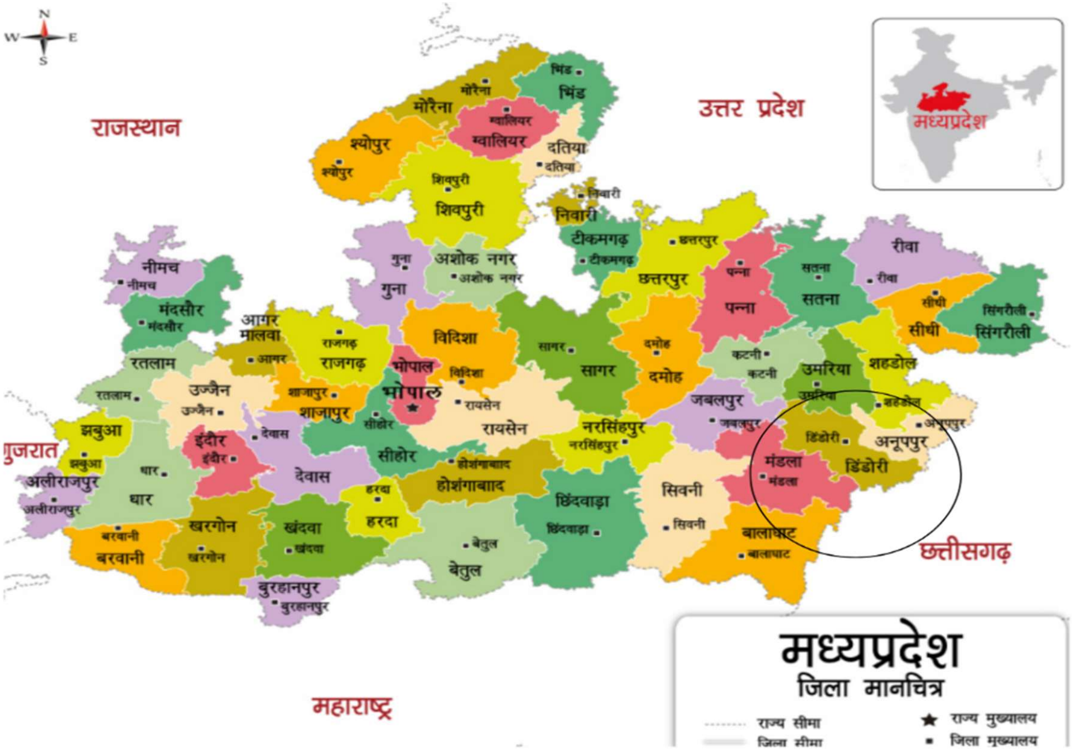
N
W
E
S
राजस्थान
उत्तर प्रदेश
मध्यप्रदेश
भिंड
मोरैना
ग्वालियर
श्योपुर
दतिया
शिवपुरी
निवारी
टीकमगढ़
छत्तरपुर
पन्ना
सतना
रीवा
सीधी
सिंगरौली
गुना
अशोक नगर
नीमच
मंदसौर
आगर मालवा
राजगढ़
विदिशा
भोपाल
सागर
दमोह
कटनी
उमरिया
शहडोल
रतलाम
उज्जैन
शाजापुर
रायसेन
जबलपुर
अनूपपुर
झबुआ
इंदौर
देवास
सीहोर
होशंगाबाद
नरसिंहपुर
डिंडोरी
मंडला
अलीराजपुर
धार
हरदा
छिंदवाड़ा
सिवनी
बालाघाट
छत्तीसगढ़
बरवानी
खरगोन
खंडवा
बेतुल
बुरहानपुर
महाराष्ट्र
मध्यप्रदेश
जिला मानचित्र
राज्य सीमा
राज्य मुख्यालय
जिला मुख्यालय

2. <u>अकछर माला</u>

सोर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ओ	अं

बेंजन

क	ख	ग	घ	
च	छ	ज	झ	
ट	ठ	ड	ढ	
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
स	ह	ड़	ढ़	

सोर कर मातरा

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ओ	अं
	◌ा	◌ि	◌ी	◌ु	◌ू	◌े	◌ो	◌ं

सोर कर संग अवइया सबद

अकछर	सबद कर आगु म		सबद कर बीच म		सबद कर पाछु म	
	सबद	**मतलब**	**सबद**	**मतलब**	**सबद**	**मतलब**
अ	अकझन	एक जन				
आ	आइग	आग	केवाड़	दरवाजा	परेवा	कबूतर
इ	इछो	यहाँ	सुइनमाइन	दाई		
ई					आदमी	आदमी
उ	उँघासी	नींद	दिन बुड़ती	पश्चिम	कुंदरु	सब्जी
ऊ	ऊँहा	वहाँ	कूँवार	महिना	गोहूँ	गेहूँ
ए	एडी	एड़ी				
ओ	ओखर	उसका	थपोड़ी	ताली	दानो	तारा
अं	अंगठी	ऊँगली				

बेन्जन कर संग अवइया सबद

अकछर	सबद कर आगु म		सबद कर बीच म		सबद कर पाछु म	
	सबद	**मतलब**	**सबद**	**मतलब**	**सबद**	**मतलब**
क	काइन	क्या	ढाकेन	बंद करना	कतक	कितना
ख	खोपा	जुडा	पखड़ी	पंख	तमाख	तंबाकू
ग	गुदाम	बटन	झेंगरा	झिंगुर	रोग	बिमार
घ	घाम	धूप	बिघवा	जंगली कुत्ता	बाघ	शेर

च	चटवा	चम्मच	किचड़ी	आँख का मैल	गोच	भुट्टा का बाल
छ	छवा	बच्चा	करछली	पलटने वाला चम्मच		
ज	जिनगी	जीवन	भेजरा	छोटा टमाटर	पेज	खाने का चीज
झ	झिन्झी	छोटा बाँस	मन्झली	बीचवाली लड़की	सांझ	शाम
ट	टंगिया	कुल्हाड़ी	चोटिया	एक छोटा चुहा	नेट	एक बिमारी
ठ	ठाड	खड़े रहना	अंगठा	अंगूठा	बरठ	चेहरे पर दाना
ड	डउकी	महिला	बोडरी	नाभी	गोड	पैर
ढ	ढडी	दाढ़ी				
त	तय	तु	पातड़	पतला	सित	ओस
थ	थोबड़ा	चेहरा	पोथी	भुट्टा का छिलका	सिथ	चावल का दाना
द	दिवा	दिया	लादा	पेट	धाद	दाद
ध	धार	पानी का बहाव	रेरा धुका	तुफान	खुन्ध	पैर से दबाना
न	नोकल	नकली	नोनी	लड़की	आन	लाना
प	पिढ़ा	बैठने का	खोपला	छिलका	बरप	बर्फ
फ	फड़वा	फल	सफो	सब		
ब	बदख	बतख	दुबी	एक घास	जुआब	जवाब

भ	भादो	एक महिना	अभी	अभी	जीभ	जीभ
म	मय	मै	मामी	सास या मामा की पत्नी	ताम	ताँबा
य			साया	महिला का एक कपड़ा	मोय	मेरा
र	रवय	सुखा बाँस	धुररा	धूल	घुर	घुलना
ल	लावा	एक छोटी चिड़िया	चिखला	किचड़	बसिल	चर्बी
व			सावन	एक महिना	बिहाव	शादी
स	सकट	उपवास	बिरसपत	गुरुवार	रस	शहद
ह	हमर	हमारा	बिहर	अलग करना	चाह	चाय
ड़			खड़हा	खरगोश	राखड़	राख
ढ़			बुढ़ा	बुजुर्ग		

3. आधा अकछर

क्ख	न्न	न्ह	ट्ठ	त्त	स्क	क्ल
ट्ट	ड्ड	द्द	ज्ज	ट्ठ		

आधा अकछर कर संग अवइया सबद

आधा अकछर	बयगा सबद	हिन्दी मतलब
क्ल	अक्ले	अकेले
क्ख	बक्खा	बाँह
ज्ज	बावन खुज्जा	बौना
द्द	डरखोद्दा	ड़रपोक
ट्ट	मरघट्टी	कब्रस्थान
ट्ठ	मुट्ठा	मुट्ठा
न्न	धन्नु	धनुष
ड्ड	पनबुड्डी	एक प्रकार की चिड़िया
त्त	भित्तर	भीतर
न्ह	चिन्हार	पहचान
स्क	इस्कुल	पाठशाला

4. बयगा अकछर पढ़ेकर लिखेकर नियम

1. हमर भासा म नाक ले निकड़ेवारे बेंजन **‘ङ’**, **‘ण’ अर ‘ञ’** नयको आय। लेकिन जब इन अकछर सबद कर बीच म आथय तो (ं) कर संग लिखथय।

   हमारे भाषा मे नाक से निकलने वाले **‘ङ’,‘ण’ और ‘ञ’** नही है। लेकिन जब ये नाक से निकलने वाला अक्षर शब्दो के बीच मे आता है तो हम उसे (ं) के साथ लिखते है।

   नांगर- ‘हल’
   पंजरी- ‘पसली’

2. हमर भासा म नाक ले निकड़ेवारे सोर आहय। ओसने सोर कर सबद कर उप्पर (ँ) कर उपयोग करथय।

   हमारे भाषा मे नाक से निकलने वाले स्वर आते है। ऐसे स्वर कर स्वर को लिखने के लिये सबद के ऊपर (ँ) उपयोग करते है।

   घूँई- ‘एक पेड़’
   सुँत- ‘धागा’

3. हमर भासा म दुई अकछर अक्के संग भी आथय। जब कोही सबद म दुई अकछर अक्के संग आथय तो पेहली अकछर ले आधा लिखथय अउर दुसर अकछर ले पुरो लिखथय।

   हमारे भाषा मे संयुक्ताक्षर का भी उपयोग होता है। जब कभी ऐसे अक्षर का उपयोग होता है तो पहले अक्षर को आधा लिखते है और दुसरे को पुरा लिखते है।

   चिन्हार- पहचान
   लुस्की- एक प्रकार की चिड़िया

अ. जब **'द'**, **'ड'** **'ट' अर 'ठ'** बेन्जन अक्के संग आथय तो पेहली **'द', 'ड' 'ट'** कर तड़ी म हलंत कर उपयोग करथय।

जब **'द', 'ड', 'ट'** और **'ठ'** संयुक्ताक्षर के रुप मे उपयोग करते है तो पहले **'द','ड'** और **'ट'** को पुरा लिखके हलन्त लिखते है।

नकसुट्टी- 'नाखून के निचे भाग'
डरखोद्दा- 'डरपोक'
पनबुड्डी- 'एक प्रकार की चिड़िया'
मुट्ठा- मुट्ठी

आ. जब कोही सबद म दुई **'र'** अक्के संग आथय तो दुनो **'र'** ले पुरो लिखथय।

जब किसी शब्द मे दो **'र'** आता है तो दोनो 'र' अक्षर को पुरा लिखते है।

धुररा- 'धुल'

कुररु- 'मछली पकड़ने का बाँस का जाल'

4. दुसर भासा से लय गय सबद जोखर म **'श'** अर **'ष'** बेंजन आथय तो हमर भासा म ओसने सबद म **'श'** अर **'ष'** कर जगा म सिरिप **'स'** बेंजन कर उपयोग करथय।

दुसरे भाषा से लिया गया शब्द जिसमे **'श',** और **'ष'** अक्षर आता है लेकिन हमारे भाषा मे **'श',** और **'ष'** के स्थान पर 'स' लिखते है।

सिकार- 'शिकार'
सुध- 'शुद्ध'

5. हमर भासा म **'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ', 'श्र'** अकछर नयको आय। एखर ख, **'क्ष'** कर जगा म 'कछ', **'त्र'** कर जगा म **'तर'**, **'ज्ञ'** कर जगा म **'गिय'** अर **'श्र'** कर जगा म **'सर'** लिखथय।
हमारे भाषा मे **'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ','श्र'** नही है। इसलिए हमारे भाषा मे **'क्ष'** के जगह मे 'कछ', **'त्र'** के जगह मे 'तर', **'ज्ञ'** के जगह मे 'गिय' अर **'श्र'** के जगह मे 'सर' लिखते है।

6. हमर भासा म **‘छ’, ‘ढ’, ‘फ’** अर **‘ढ़’** बेंजन सबद कर पाछु म नयको आय।

हमारे भाषा मे **‘छ’, ‘ढ’, ‘फ’** व्यजंन शब्द के अंत मे नही आता है।

अ. हमर भासा म **‘य’, ‘व’, ‘ड़’** अर **‘ढ़’** बेंजन सबद कर आगु म उपयोग नयको होय।

हमारे भाषा मे **‘य’, ‘व’,‘ड़’ अर ‘ढ़’** व्यंजन का प्रयोग शब्द के शुरुआत मे नही होता है।

7. हमर भासा म **‘ई’** सोर कर उपयोग सबद कर आगु अर पाछु म नयको होय।

हमारे भाषा मे **‘ई’** स्वर का उपयोग शुरु और अंत मे नही होता है।

5. दिन कर नाव

दिन कर नाव	दिन का नाम
एतवार	रविवार
सम्मार	सोमवार
मंगलवार	मंगलवार
बुधवार	बुधवार
बिरसपत	गुरुवार
सुक्कुरवार	शुक्रवार
सनिचर	शनिवार

मेहना कर नाव

मेहना	हिन्दी महिना
माह	माघ
फाग	फागुन
चयत	चैत
बयसाख	बैसाख
जेठ	जेठ
असाढ़	आषाढ़
सावन	श्रावण
भादो	भादो
कूँवार	कुँवार
कातिक	कार्तिक
अघ्घन	अघन
पुस	पुस

6. किसा

चोटिया अर लिटिया कर किसा

चोटिया अर लिटिया मित बदिन। तब लिटिया कथय,''चल मित घर बनाबो।'' तब चोटिया कथय,''नय बनाँव। जहा भाड़ी तहा रहजहूँ।'' तब लिटिया गइस, घर बनाइस।

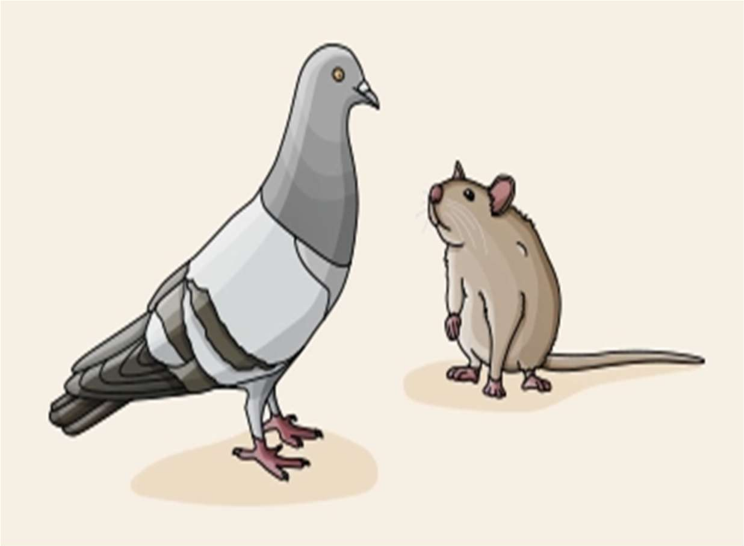

फेर जमके पानी आइस। तब चोटिया कर घर फिज गय। तब चोटिया कापत आइस अर कथय,''मित मोय ड़ेरा दे।'' तब लिटिया कथय,''मित तोय घर बनाले कहव, तो तय नयको बनास। मोर से ड़ेरा नयको आय।'' तब चोटिया ले कथय,''जहा भाड़ी तहा रहजहूँ, कहास। ढेला पाहूँ, ढेलच म रहजहूँ, कहास। तो ढेलच म रह।'' तो चोटिया रिसाय गइस अर कथय,''मित तोर मोर दोसती टुट गय।'' एखर ख, अपन काम सही समय म करो।

(बुधराम मेरावी, मुरकुट्टा, बालाघाट)

हिन्दी:- चोटिया और लिटिया की कहानी

एक बार चोटिया और लिटिया दोस्त बने। तब लिटिया बोलती है कि दोस्त, चल घर बनाएँगे। तो चोटिया कहता है कि मै नही बनाता। जहाँ मिलेगा वही रह जाऊँगा। फिर लिटिया जाके अपना घर बनाती है। फिर एक दिन जोर से बारिश होती है तो चोटिया का घर गिला हो गया। तो चोटिया काँपते हुए आता है और कहता है कि दोस्त, मुझको घर दे। तब लिटिया बोली,''दोस्त, तुझे घर बनाने बोली, पर तुने नही बनाया। मेरे पास रहने का कुछ नही है।'' और चोटिया से आगे बोली,''जहाँ घर मिलेगा वही रह जाऊगा कहता था न। जहाँ पत्थर वहाँ रह जाऊगा करता था न। तो पत्थर मे ही रह।'' चोटिया को ये बात सुनके गुस्सा आया

और लिटिया से बोला,‘‘देस्त, तेरा मेरा दोस्ती टुट गया।’’ इसलिए अपना काम सही समय पर करो।

भठेला अर केछवा कर किसा

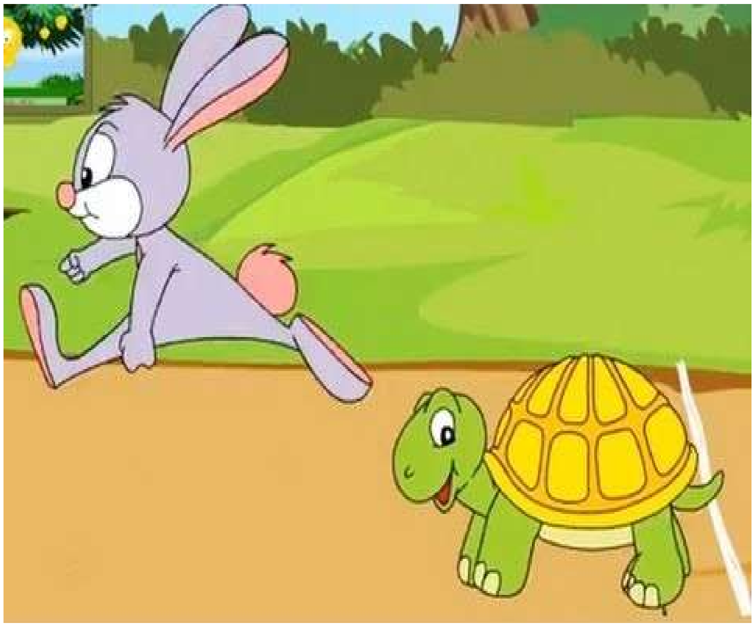

अक ठन डोन्गर म भठेला राहय। ओ अक ठन केछवा कर संग राहय। तो भठेला कहिस,‘‘तोय खियाल हय। आज काइन दिन हय। आज तोर मोर धवड़ हय।’’ तो केछवा कहिस,‘‘हाँ भइ हाँ, खियाम हय कि तोर मोर धवड़ हय।’’ तो भठेला सोचिस,‘‘हइ केछवा तो धीरे-धीरे रेंगथय। तो महिच जीतहूँ।’’ तब धवड़ चालू होइस। भठेला आगु-आगु दवड़त भग गइस अर केछवा धीरे-धीरे रेंगत राहय। भठेला बनेच दुर जायके ओले पलटके देखिस, तो केछवा नयको दिखिस। तो भठेला सोचिस अर कहिस,‘‘केछवा तो बनेच दुर आहय तो मय ओखर आतले बयठजथूँ।’’ केछवा धीरे-धीरे रेंगत-रेंगत आवय। फेर बनेच जुआर होय गइस, केछवा नयको पोहचिस। तो भठेला कर निन्द खुलिस अर झटपटायके उठीस अर जायके देखिस तो केछवा पहोचगे राहय। एखर ख असाद झय बनो।

(हाबिल मेरावी, जगला,बालाघाट)

हिन्दी:- खरगोश और कछुवा की कहानी

एक जंगल मे खरगोश रहता था। ओ एक कछुवा के साथ रहता था। एक दिन खरगोश बोला,‘‘तुझे याद है, आज क्या दिन है। आज तेरा मेरा दौड़ है। तो कछुवा बोला,‘‘हाँ भई हाँ, याद है कि तेरा मेरा दौड़ है। तो खरगोश सोचा,‘‘ये कछवा तो धीरे-धीरे चलता है। तो इस दौड़ को मै ही जीतुँगा।’’ फिर दौड़ चालू हुआ। खरगोश दौड़ते-दौड़ते आगे निकल गया और कछुवा धीरे-धीरे चल रहा था। खरगोश बहुत दुर जा कर कछुवा को पलट के देखा, तो कछुवा नही दिखा। तो खरगोश सोचा और बोला,‘‘कछुवा तो बहुत दुर है तो उसके आते तक बैठ जाता हूँ।’’ कछुवा धीरे- धीरे चलते आ रहा था। फिर बहुत समय हो गया, कछुवा नही पहुँचा। फिर खरगोश का नींद खुला और हड़बड़ा के उठा और जा के देखा तो कछुवा पहुँच चुका था। इसलिए आलसी मत बनो।

7. सबद- कोस

अ

अमली- *इमली*

अर- *और*

अकझन- *एक जन*

असाद- *आलसी*

आ

आमा- *आम*

आइख- *आँख*

आसापति- *गर्भवती*

आसो- *इस साल*

आइग- *आग*

इ

इछो- *यहाँ*

ए

एड़ी- *एड़ी*

एतवार- *रविवार*

उ

उबका- *पानी जमीन से निकलना*

उछाड़- *उल्टी*

उमर- *एक बड़ा पेड़*

उजियाड़- *दिन की रोशनी*

ऊ

ऊँहा- *वहाँ*

ओ

ओलपाड़- *दो दिवार के बीच छेद*

ओसरा- *खत्म*

ओले- *उसको*

ओखर- *उसका*

ओ- *वो*

अं

अंगठी- ऊँगली

अंगठा- अंगूठ

क

कसे- *कैसे*

किरया- *कसम*

कतक- *कितना*

काइन- *क्या*

कुकुर- *कुत्ता*

ख

खड़हा- *खरगोश*

खान्द- *कन्धा*

खोल- *गहरा*

खोपा- *बाल का जूडा*

ग

गदिया- *हथेली*

गुदाम- *कमीज का बटन*

गोरू- *गाय*

घ

घाम- *धूप*

घोर- *सोते समय नाक से आवाज*

च

चटवा- *चम्मच*

चिडरा- *गिलहरी*

चानी- *काटना*

चाटी- *चिटी*

छ

छवा- *बच्चा*

छेड़ी- *बकरी*

छिपी- *एक प्रकार की मछली*

ज

जड़न- *जलन की भावना*

जरासिन- *थोड़ा*

जदुआ- *जादु*

जिव- *शरीर*

झ

झिनझी- *बाँस जब छोटा होता है*

झिरिया- *नदी से पीने का पानी अलग करना*

झाला- *झोपड़ी*

झापड़- *थप्पड*

ट

टिपान- *धूप रोशनी*

टेटका- *पेड़ पर रहने वाला जंतु*

टिपका- *पानी का बुन्द*

ठ

ठग- *झूठ बोलना*

ठोड़ी- *कान का छेद*

ड

डउकी- *महिला*

डोली- *खेत का हिस्सा या मेढ़*

डेन्डवा- *एक मछली*

डाटा- *घुरना या निगरानी करना*

डोकरा- *बुढ़ा आदमी*

ढ

ढोलकी- *ढोलक बाजा*

ढड़ी- *दाढ़ी*

ढेची- *एक प्रकार की चिड़िया*

ढुना- *गाय को बाँधने का घंटी*

त

तोररय- *तोरई एक सब्जी*

तुमा- *लौकी*

तात- *गरम*

थ

थपोड़ी- *ताली*

थेम- *टिकना*

थोबड़ा- *चेहरा*

द

दिवा- *दिया*

दुनो- *मोड़ना*

दबड़ी- *पैर का टंगड़ी*

दादर- *पहाड़ मे समतल जगह*

दाइ- *माता*

ध

धन्नु- *धनुष*

धुररा- *धुल*

न

नख- *नाखून*

नंदी- *नदी*

नड़ी- *गला*

नानस- *छोटा*

नोनी- *साली*

प

पखड़ी- *पंख*

परोसी- *पड़ोसी*

पुरखा- *पीढ़ी*

पोटार- *आँत का कीड़ा*

फ

फाँफा- *एक कीड़ा*

फोटका- *फोड़ा*

फिफली- *तितली*

फुलकी- *पेड़ का नया तना*

ब

बाबू- *पिता*

बोथड़- *मूर्ख*

बुडहा- *नाना*

बिछीया- *पैर पर पहनने का आभुषण*

बखठा- *बाँझ*

भ

भग- *चले जा*

भेलवा- *एक फल*

भाउ- *भाई*

भादो- *हिन्दी का महिना*

भयरा- *बहरा*

म

मय- *मै*

मुसा- *चुहा*

मंगर- *मगर*

मेदान- *मैदान*

मेछा- *मूँछ*

र

रिस- *गुस्सा*

रदा- *बहुत*

रुख- *पेड़*

ल

लावा- *एक छोटी चिड़िया*

लवट- *लौट*

लुस्की- *एक प्रकार की चिड़िया*

स

सकट- *उपवास*

सुज्जी- *सुई*

सेही- *साही जानवर*

साडहु- *साली का पति*

ससरार- *ससुराल*

ह

हइ- *ये*

हुड़ा- *गुफा*

हाड़- *हड्डी*

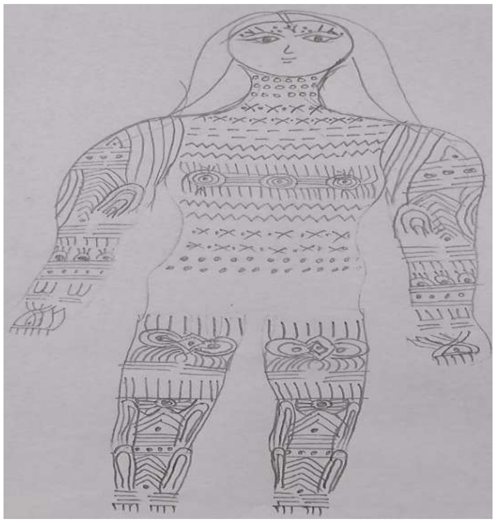

प्रकाशन

बैगा कर आरो
मध्य प्रदेश